जे. के. रेयान वर्क्स यूनियन
सम्बन्धित
अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस

माननीय प्रधान मंत्री
उत्तर प्रदेश ट्रेड यूनियन कांग्रेस
कानपुर।

प्रिय साथी।

बड़े ही खेद के साथ सूचित किया जाता है कि जे. के. रेयान वर्क्स यूनियन के अध्यक्ष श्री सतेन्द्र मोहन बनर्जी–संसद सदस्य तथा यूनियन मंत्री की सामन्तवादी नीतियों के कारण जे. के. रेयान के ९५ प्रतिशत श्रमिकों मे यूनियन के प्रति असंतोष की ज्वाला घर कर गई है।

स्मरण रहे कि। स्पिनिंग विभाग का ब्राउ वार्किंग, एक्स्ट्रा वार्किंग का समझौता तथा केमिकल डिवीजन की फुलवर्दी का समझौता बिना कार्यकारिणी की सभा बुलाये तथा बिना जनरल बाडी की राय के किया गया है जिसमें प्रबंधकों की राय के अनुसार चन्द स्पिनर्स को छोड़ कर अन्य प्रभावित कर्मचारी वंचित रह गये है, इतना ही नहीं केमिकल डिवीजन की फुलवर्दी का समझौता प्रबन्धक गण ५ साल के लिये कर रहे थे तथा विभागीय श्रमिक हमेशा के लिये मांग कर रहे थे। दुख की बात है कि अध्यक्ष श्री सतेन्द्र मोहन बनर्जी तथा मंत्री द्वारा समझौता तीन साल के लिये किया गया। स्मरण रहे कि समझौते में न तो कार्यकारिणी की राय ली गई और न विभागीय प्रतिनिधि से ही पूछा गया।

अतः श्रमिकों में असन्तोष का होना स्वाभाविक है। कृपया इस सम्बन्धमें अति शीघ्र उचित कार्यवाही करें।

नोट:– सम्बन्धित श्रमिकों ने उपरोक्त समझौतों के विरुद्ध आन्दोलन की सूचना प्रबन्धकों को दे दी है।

भवदीय
हस्ताक्षर

दि 18-2-66

(सी. पी. श्रीवास्तव)
उपाध्यक्ष
जे. के. रेयान वर्क्स यूनियन
जाजमऊ कानपुर

Cable : "AITUCONG" Telephones : 57787
54740

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस
ALL-INDIA TRADE UNION CONGRESS
5E, JHANDEWALAN, RANI JHANSI ROAD, NEW DELHI-1

President: S. S. MIRAJKAR
General Secretary: S. A. DANGE

24 February 1966

To,
Com. S.S.Yusuf, M.L.A.,
119/482, Darshanpurwa,
KANPUR, (U.P.)

138

Dear Comrade,

I am enclosing translation of a Hindi letter received from Com. C.P. Sriwastava, Vice President, JK. Rayon Workers Union, Kanpur Complaining against a settlement entered into by the President of the Union, Com. S.M. Bannerji and the Secretary allegedly without the knowledge of and against the wishes of the union and the workers.

I request you to kindly look into the matter and let us know what it is.

With Greetings,

Yours fraternally,

(Satish Loomba)
Secretary

Encl:

Hindi Version

The General Secretary,
UPTUC, KANPUR, (U.P.)

Dear Comrade,

It is regretted to inform that on account of the bemaaucratic methods of the President Shri S.M. Bannerji, M.P. and the Secretary of the J.K. Rayon Workers' Union has created discontentment amongst 95% of the workers.

It may be remembered the compromise with regard to the Double Doffing, extra doffing and regarding the uniforms of Chemical Division has been arrived at with the Employers without consulting the Executive or the General Body meeting.

According to the managements' version only a few spinners have been benefitted and the rest of the affected workers have been deprived of any benefit or relief.

The management wanted a compromise regarding uniform for 5 years only but the workers wanted for the whole of the service period. But it is regretted that the President Shri S.M. Bannerji and the Secretary have compromised only for 3 years. This has been done without the knowledge of the Executive Committee on the representation of Department.

It is, therefore, natural that these should be discontentment Please take necessary action in this matter.

Note: The affected workers served a notice on the management for a movement against the compromise.

Yours

sd/-
(C.P. Sriwastava)
Vice President,
J.K. Raoyn Workers Union,
Jajmau, Kanpur.

24 February 1966

To,

The General Secretary,
Uttar Pradesh Trade Union Congress,
12/1, Gwaltoli, P.O.Box 231,
KANPUR, (U.P.)

Dear Comrade,

We are in receipt of a letter dated 18th February 1966 from the Vice-President, Com. C.P. Sriwastava, of J.K. Rayon Works Union, Kanpur reporting upon the settlement with the management of the mills entered into by Com. S.M. Bannerji and workers disapproval to the same. The letter further asserts the discontentment of the workers with regard to the settlement.

You are therefore requested to kindly send your comments in the matter after due enquiry at your earliest convenience. Copy of letter is enclosed for your information.

With greetings,

Yours fraternally,

Encl:

(K.G. Sriwastava)
Secretary

Copy to :

1. Shri S.M. Banerji, M.P. President, J.K. Rayon Works Union, New Delhi.
2. Copy to union for information.

28 February 1966

To,

The General Secretary,
U.P. State Committee of AITUC,
12/1 Gwaltoli, P.Box No.231,
KANPUR, (U.P.)

Dear Comrade,

A convention of unions of State Road Transport Workers is being held at Chandigarh on 12th March as decided by a meeting held after the General Council. The Convention covers all State Transport unions in the northern zone i.e. J & K, Punjab, Himachal, U.P. and Rajasthan.

We are sending separately the posters regarding this. You are requested to send as many delegates as possible. You are also requested to get in touch with all affiliated and non-affiliated unions and see that their delegates attend the conference.

With greetings,

Yours fraternally,

(Satish Loomba)
Secretary

138

Ram Nivas
Motinagar, Lucknow
5. 4. 66

Dear comrade,

Kindly expedite the affiliation of this union. The Roadways workers in Lucknow have joined the union. Till now they were in the INTUC union. We will have to deal with their problems promptly in order to consolidate. There is general discontent with the INTUC and if our intervention is delayed there will be frustration.

with greetings,

yours

Harish Tewary

The General Secretary
A.I.T.U.C.
5-E Rani Jhansi Road
New Delhi.

[illegible] 7/4/66.

प्रकाशनार्थ 138

श्री मान् शर्मा उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश ट्रेड यूनियन कांग्रेस ने निम्न वक्तव्य प्रकाशनार्थ दिया है । 3-9-66

" मेरा ध्यान दैनिक जागरण मे प्रकाशित एक यू० पी० टी० यू० सी० के सम्बंध मे संबाद की तरफ आकर्षित किया गया है। कि यू० पी० टी० यू० सी० मे फूट के बादल मंडला रहे है ।

" दिनांक १५-१६ सितम्बर १९६६ की कानपुर मे होने वाली यू०पी० टी० यू० सी० की जनरल काउनसेल व वर्किंग कमेटी का एजेन्डा मंत्री महोदय ने केवल पिछली कारिवाई की पुष्टि - मंत्री की रिपोर्ट - वेजबोर्ड तथा यू० पी० टी० यू सी० का अगला अधिवेशन उसका तिथि व स्थान तय करना प्रकाशित किया है। यह एजेन्डा पूर्णत: निर्विवाद है ।

" मैं जन साधारण को याद दिलाना चाहूंगा कि पिछले अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के बम्बई अधिवेशन के समय भी सरमायादारी प्रेसो तथा फूट वादियो ने इसी फूट की बड़ी चर्चा की थी । मगर दक्षिण तथा वामपंथी कम्यूनिस्टो द्वारा अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के भीतर एक रह कर काम करने के निर्णय की घोषणा होते ही सरमायादारी प्रेस व फूट परस्तो के मुंह बन्द हो गये । बिल्कुल वही यहा भी होगा ।

" उत्तर प्रदेश का मजदूर आन्दोलन कई बार ऐसी मुशकिलो को हल कर चुका है। और आज भी यही करेगा । सरमायादारी अपना पुराना अनुभव न भूलें।

शिवशर्मा
उपाध्यक्ष
यू० पी० टी० यू० सी०
१२ ।१ ग्वालटोली कानपुर ।

दिनांक ५-९-६६

जे० के० रेयान वर्क्स यूनियन
सम्बन्धित
अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस

A. I. T. U. C.
Received 752 23/2/66
Replied.......

माननीय प्रधान मंत्री
उत्तर प्रदेश ट्रेड यूनियन कांग्रेस
कानपुर ।

प्रिय साथी ,

बड़े ही खेद के साथ सूचित किया जाता है कि जे० के० रेयान वर्क्स यूनियन के अध्यक्ष श्री सतेन्द्र मोहन बनर्जी - संसद सदस्य तथा यूनियन मंत्री की सामन्तवादी नीतियों के कारण जे० के० रेयान के ६५ प्रतिशत श्रमिकों में यूनियन के प्रति असंतोष की ज्वाला घर कर गई है ।

स्मरण रहे कि स्पिनिंग विभाग का डबल डाफिंग , एक्द्रा डाफिंग का समझौता तथा कैमिकल डिवीजन की फुलवर्दी का समझौता बिना कार्यकारिणी की सभा बुलाये तथा बिना जनरल बाडी की राय के किया गया है जिसमें प्रबंधकों की राय के अनुसार चन्द स्पिनर्स को छोड़ कर अन्य प्रभावित कर्मचारी वंचित रह गये हैं,इतना ही नहीं कैमिकल डिवीजन की फुलवर्दी का समझौता प्रबन्धकगण ५ साल के लिये कर रहे थे तथा विभागीय श्रमिक हमेशाके लिये मांग कर रहे थे । दुख की बात है कि अध्यक्ष श्री सतेन्द्र मोहन बनर्जी तथा मंत्री द्वारा समझौता तीन साल के लिये किया गया । स्मरण रहे कि समझौते में न तो कार्यकारिणी की राय ली गई और न विभागीय प्रतिनिधि से ही पूंछा गया ।

अत:श्रमिकों में असन्तोष का होना स्वभाविकहै ।कृपया इस सम्बन्ध में अति शीघ्र उचित कार्यवाही करें ।

<u>नोट</u>- सम्बन्धित श्रमिकों ने उपरोक्त समझौतों के विरुद्ध आन्दोलन की सूचना प्रबन्धकों को दे दी है ।

भवदीय,

दिनांक, १८-२-६६

: सी०पी०श्रीवास्तव :
उपाध्यक्ष
जे०के०रेयान वर्क्स यूनियन
जाजमऊ ,कानपुर ।

प्रतिलिपियाँ
1. प्रधान मंत्री. ए० आई० टी० यू०सी०
2. उप " " " "
3. कार्यवाहक प्रधानमंत्री यू०पी०टी०यू०सी०

K.G. Sriwastava, Secretary, All India Trade Union Congress in a press statement says:-

I came to this city on 22nd July to survey the situation arising out of the Statewide struggle of the State Govt. employees. Unparalleled and brutal lathi charge on Govt. employees has worsened the situation, which was already deteriorating ~~since~~ as a result of dilatory tactics the State Govt. was following in dealing with the employees' legitimate demands. The denial by the Chief Minister of the lathi charge and their attempt to belittle it as very slight has shaken the faith of the employees and others in the statement of the Govt. Enhancement of D.A. has been ~~[illegible]~~ done in other States and in U.P. it is overdue. If Govt. had any illusions about the success of its policy of repression and disruption, it should have by now been dispelled since the solidarity among the employees is growing and has crossed the barriers of trade unions, etc. At the July

Supports the ~~action~~ struggle of the State Govt. employees and demands of the Govt. to settle ~~their demands~~ its in direct negotiations with the employees' organisations, withdraw the warrants, release arrested leaders & take back all suspended employees to work.

Rashtriya Sangram Samiti which is meeting in New Delhi on 25th & 26th will review further again this struggle and if ~~....~~ not settled by then consider extending their active solidarity with the employees.

AITUC ~~along with All Central~~ will raise the issue in the forthcoming ILC to meet on 29th & 30th Sep.

138

A.I.T.U.C.
Received 1648 12/4/66.
Replied..........

यू० पी० ट्रेड यूनियन कांग्रेस, १२।१, ग्वालटोली, कानपुर ।

पोस्ट बाक्स नं० २३१,
कानपुर, ता० ८-४-६६

सभी संबद्ध यूनियनों के नाम सरकूलर

विषय: आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस का सम्मेलन

प्रिय साथी,

आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस की जनरल कौंसिल ने ए०आई०टी०यू०सी० का २७वां सम्मेलन बम्बई में करने का निर्णय किया है । यह सम्मेलन १६ मई से २२ मई, १९६६ तक बम्बई में पुरन्दर स्टेडियम, नौगाम, बम्बई में होगा ।

देश के मजदूर वर्ग पर सरकार और मालिकों के हमलों और प्रादेशिक व औद्योगिक स्तर पर इन हमलों के खिलाफ और अपने अधिकारों की सुरक्षा के लिए मजदूरों द्वारा संगठित संघर्षों की पृष्ठभूमि में ए०आई०टी०यू०सी० का यह सम्मेलन अति महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन में देश के कोने-कोने और विभिन्न उद्योगों से आये हुए प्रतिनिधि सामान्य और विशेष अनुभवों की रोशनी में विचारों का आदान-प्रदान और मजदूर आन्दोलन की समस्याओं पर विचारविमर्श करेंगे और मजदूर आन्दोलन की मजबूती व एकता के बारे में निर्णय लेंगे । हमें अपने प्रदेश से भी इस सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिनिधि भेजने हैं ।

प्रदेश की वे सभी यूनियनें जो ए०आई०टी०यू०सी० से संबद्ध हैं और जिन्होंने अपना संबद्धता शुल्क अदा किया है, इस सम्मेलन में अपने प्रतिनिधि भेज सकती हैं । संबद्धता शुल्क की दर १० पैसा प्रति सदस्य है और जितने सदस्यों का संबद्धता शुल्क अदा किया गया है, उनमें प्रति २०० सदस्यों पर १ प्रतिनिधि और आखिरी १०० से १०० से अधिक सदस्यों पर १ प्रतिनिधि और भेजे जा सकते हैं । प्रतिनिधि फीस २रु० प्रति प्रतिनिधि होगी । प्रत्येक संबद्ध यूनियन को अपने प्रतिनिधियों के नाम और पते प्रधान मन्त्री, ए०आई०टी०यू०सी०, ५ ई, झंडेवालान, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-१ और यू०पी०टी०यू०सी० कार्यालय, कानपुर को सम्मेलन के दो सप्ताह पहले तक अवश्य भेज देना चाहिए ।

एफीलियेशन फीस के बारे में जनरल कौंसिल ने निम्नांकित निर्णय लिया है :-

संविधान के अनुसार एफीलियेशन फीस का सारा बकाया पैसा जमा होना चाहिए । इससे छूट चाहने वाली किसी भी यूनियन को बकाया फीस जमा न करने की छूट का प्रार्थना पत्र १५ अप्रैल, १९६६ तक ए०आई०टी०यू०सी० को जरूर भेज कर सम्मेलन के पहले छूट प्राप्त कर लेनी चाहिए। इस प्रकार के प्रार्थना पत्रों की प्रतिलिपियां राज्य कार्यालय को भी भेजना चाहिए । जनरल कौंसिल ने वर्किंग कमेटी को इस प्रकार के प्रार्थना पत्रों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का अधिकार दिया है, किन्तु शर्त यह है कि ३१ दिसम्बर, १९६५ को समाप्त होने वाले वर्ष को मिला कर ए०आई०टी०यू०सी० के पिछले सम्मेलन से कम से कम ३ वर्षों का संबद्धता शुल्क अवश्य जमा होना चाहिए ।

हमारे प्रदेश में भी अनेक ट्रेड यूनियन नेताओं और कार्यकर्ताओं की नजरबन्दी व सरकारी दमन के कारण अनेक यूनियनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । एफीलियेशन फीस पूरी जमा करने की कोशिशों के बावजूद अनेक यूनियनें ऐसा नहीं कर सकी हैं । इस प्रकार की यूनियनों को अगर उनके लिए फीस पूरी जमा करना अब भी सम्भव नहीं है, छूट पाने के लिए अपने प्रार्थना पत्र १५ अप्रैल तक अवश्य भेज देने चाहिए ।

यूनियन का कोई भी विशिष्ट या साधारण सदस्य सम्मेलन के लिए प्रतिनिधि चुना जा सकता है । सम्मेलन में जाने वाले प्रतिनिधियों को अपनी यूनियन के मन्त्री का अधिकार पत्र ले लेना चाहिए ।

सभी यूनियनों से अनुरोध है कि वे ए०आई०टी०यू०सी० सम्मेलन की तैयारी के काम में फौरन जुट जायें और सम्मेलन के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव, संबद्धता शुल्क शुल्क की अदायगी, प्रतिनिधियों के लिए खर्च की व्यवस्था के लिए चन्दा इकट्ठा करने, आम मजदूरों के बीच में इस सम्मेलन के बारे में अधिक से अधिक प्रचार मीटिंगों, पर्चों आदि द्वारा करने के कार्यों को पूरा करें ।

साभिवादन ।

आपका साथी,
Hardayal (signature)
वास्ते प्रधान मन्त्री

1774

138

A. I. T. U. C.
Received 1648 12/4/66.
Replied.........

52

(1)

यू० पी० ट्रेड यूनियन कांग्रेस, १२।१, ग्वालटोली, कानपुर।

पोस्ट बाक्स नं० २३१,
कानपुर, ता० ८-४-६६

सभी संबद्ध यूनियनों के नाम सरक्यूलर

विषय: आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस का सम्मेलन

प्रिय साथी,

आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस की जनरल कौंसिल ने ए०आई०टी०यू०सी० का २७वां सम्मेलन बम्बई में करने की निर्णय किया है। यह सम्मेलन १६ मई से २२ मई, १९६६ तक बम्बई में पुरन्दर स्टेडियम, नौगाम, बम्बई में होगा।

देश के मजदूर वर्ग पर सरकार और मालिकों के हमलों और प्रादेशिक व औद्योगिक स्तर पर इन हमलों के खिलाफ और अपने अधिकारों की सुरक्षा के लिए मजदूरों द्वारा संगठित संघर्षों की पृष्ठभूमि में ए०आई०टी०यू०सी० का यह सम्मेलन अति महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन में देश के कोने-कोने और विभिन्न उद्योगों से आये हुए प्रतिनिधि सामान्य और विशेष अनुभवों की रोशनी में विचारों का आदान-प्रदान और मजदूर आन्दोलन की समस्याओं पर विचारविमर्श करेंगे और मजदूर आन्दोलन की मजबूती व एकता के बारे में निर्णय लेंगे। हमें अपने प्रदेश से भी इस सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिनिधि भेजने हैं।

प्रदेश की वे सभी यूनियनें जो ए०आई०टी०यू०सी० से संबद्ध हैं और जिन्होंने अपना संबद्धता शुल्क अदा किया है, इस सम्मेलन में अपने प्रतिनिधि भेज सकती हैं। संबद्धता शुल्क की दर १० पैसा प्रति सदस्य है और जितने सदस्यों का संबद्धता शुल्क अदा किया गया है, उनमें प्रति २०० सदस्यों पर १ प्रतिनिधि और आखिरी १०० से १०० से अधिक सदस्यों पर १ प्रतिनिधि और भेजे जा सकते हैं। प्रतिनिधि फीस २रु० प्रति प्रतिनिधि होगी। प्रत्येक संबद्ध यूनियन को अपने प्रतिनिधियों के नाम और पते प्रधान मन्त्री, ए०आई०टी०यू०सी०, ५ ई, झंडेवालान, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-१ और यू०पी०टी०यू०सी० कार्यालय, कानपुर को सम्मेलन के दो सप्ताह पहले तक अवश्य भेज देना चाहिए।

एफीलियेशन फीस के बारे में जनरल कौंसिल ने निम्नांकित निर्णय लिया है :-

संविधान के अनुसार एफीलियेशन फीस का सारा बकाया पैसा जमा होना चाहिए। इससे छूट चाहने वाली किसी भी यूनियन को बकाया फीस जमा न करने की छूट का प्रार्थना पत्र १५ अप्रैल, १९६६ तक ए०आई०टी०यू०सी० को जरूर भेज कर सम्मेलन के पहले छूट प्राप्त कर लेनी चाहिए। इस प्रकार के प्रार्थना पत्रों की प्रतिलिपियां राज्य कार्यालय को भी भेजना चाहिए। जनरल कौंसिल ने वर्किंग कमेटी को इस प्रकार के प्रार्थना पत्रों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का अधिकार दिया है, किन्तु शर्त यह है कि ३१ दिसम्बर, १९६५ को समाप्त होने वाले वर्ष को मिला कर ए०आई०टी०यू०सी० के पिछले सम्मेलन से कम से कम ३ वर्ष का संबद्धता शुल्क अवश्य जमा होना चाहिए।

हमारे प्रदेश में भी अनेक ट्रेड यूनियन नेताओं और कार्यकर्ताओं की नजरबन्दी व सरकारी दमन के कारण अनेक यूनियनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एफीलियेशन फीस पूरी जमा करने की कोशिशों के बावजूद अनेक यूनियनें ऐसा नहीं कर सकी हैं। इस प्रकार की यूनियनों को अगर उनके लिए फीस पूरी जमा करना अब भी सम्भव नहीं है, छूट पाने के लिए अपने प्रार्थना पत्र १५ अप्रैल तक अवश्य भेज देने चाहिए।

यूनियन का कोई भी विशिष्ट या साधारण सदस्य सम्मेलन के लिए प्रतिनिधि चुना जा सकता है। सम्मेलन में जाने वाले प्रतिनिधियों को अपनी यूनियन के मन्त्री का अधिकार पत्र ले लेना चाहिए।

सभी यूनियनों से अनुरोध है कि वे ए०आई०टी०यू०सी० सम्मेलन की तैयारी के काम में फौरन जुट जायें और सम्मेलन के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव, संबद्धता शुल्क शुल्क की अदायगी, प्रतिनिधियों के लिए खर्च की व्यवस्था के लिए चन्दा इकट्ठा करने, आम मजदूरों के बीच में इस सम्मेलन के बारे में अधिक से अधिक प्रचार मीटिंगों, पर्चों आदि द्वारा करने के कार्यों को पूरा करें।

साभिवादन।

आपका साथी,
[signature]
वास्ते प्रधान मन्त्री

Uth 1774

१४

A.I.T.U.C.
Received 3292 21/7/66
Replied..............

18/7/66 52

लखनऊ,
दिनांक १८-७-६६

प्रिय साथी

आगे समाचार यह है कि लखनऊ में सरकारी कर्मचारियों का संघर्ष काफी तेज चल रहा है। आप लोगों को अखबार से यहां के विषय में समाचार मील जाता होगा। इस समय यहां की स्थिति बहुत ही गम्भीर हो चुकी है। ऐसा वातावरण हो गया है कि किस समय क्या से क्या हो सकता है। सचिवालय के अन्दर कर्मचारी मारे गये। भयंकर लाठीचार्ज काफी कर्मचारी घायल हुए कुछ अस्पताल में भर्ती है। १४ जुलाई को मसाल जलूस निकालने पर लाठी चार्ज सरकार ने की तथा १५ जुलाई को सचिवालय के अन्दर भयंकर लाठी-चार्ज हुआ। १७ जुलाई को पी०डब्लु०डी० के कार्यालय के सामने लाठीचार्ज हुआ। कर्मचारी नेताओं की गिरफ्तारियां भी हो रही हैं। अभी तक मुख्य नेता नहीं गिरफ्तार हुए हैं। कुछ लोगों को पकडे और जिसमें दो तीन सचिवालय के चपरासी है उनको कोतवाली में ले जाकर मारे और उनसे यह जानने के लिए की तुम्हारे नेता लोग कहां है। लेकिन वह सब नहीं बताये।

लखनऊ में सचिवालय पूर्ण बन्द है कोई कर्मचारी काम पर नहीं जा रहा है। सरकारी दफ्तर सभी पूर्ण बन्द हैं ताला लटक रहे हैं। पी०ए०सी० लगी हुई है। हाईकोर्ट, दिवानी कलक्टरी कचहरियां भी सभी बन्द है। रोडवेज की बसे सभी बन्द है। शहर में चलने वाली सभी बसें बन्द है। रोडवेज कर्मचारी पूर्ण रूप से कामबन्दी पर है। एक भी बस नहीं

चल रही है। यू० पी० के ओर से जिलों के भी सरकारी कर्मचारी, बसे बिलकुल बन्द है। रोडवेज की पूर्ण हड़ताल इन २ जगहो पर है। लखनऊ इलाहाबाद, कानपुर रायबरेली, सुल्तानपुर, बाराबंकी, वाराणसी, गोरखपुर, उन्नाव, बांदा, मुरादाबाद, सितापुर, हरदोई आदि जिलों बस सेवाये पूर्ण बन्द है। इस समय हमारे नेता जेल के अन्दर बन्द है। चन्द्रशेखर तिवारी, रमेश श्रीवास्तव आदि सभी नेता जेल में रहने के कारण मैं और सभी लोगो की राय है कि का० के० जी० श्रीवास्तव लखनऊ शीघ्र से शीघ्र आ जाय और उत्तर प्रदेश तथा लखनऊ के कर्मचारियों से मिल ले। दिल्ली से और कोई नेता आ सके तो आ जाय। हरीश, कालूशंकर की यही राय है इसलिए आप लोग उत्तर प्रदेश आवे और यहाँ के आन्दोलन को अच्छी दिशा दे सके।

पहला मोड़ First fold

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

INDIA 10

To,
Sri K. G. Srivastava,
AITUC Office,
5 Rani Jhansi Road,
New Delhi-1.

तीसरा मोड़ Third fold

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-
Kishori Lal
76/ 22 Kaiser Bagh,
Lucknow.

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED
यहाँ काट कर खोलिये To open cut here

दूसरा मोड़ Second fold

U. P. TRADE UNION CONGRESS,

Post Box 231
Kanpur.

To All Members of the General Council,

To All Members of the Working Committee,

Dear Comrade,

It has been decided to convene a meeting of the General Council of the U.P. Trade Union Congress and also a meeting of the Working Committee along with this. The meetings mentioned above will be held at Kanpur on September 15 and 16, 1966. The members are requested to reach KHATTRI DHARAMSHALA, BIRHANA ROAD, KANPUR on the evening of 14th September or latest by the morning of 15th September, 1966.

Agenda :

1. Proceedings of the last meeting for confirmation.
2. Report of the general secretary.
3. Wage Boards - Sugar, Textile and Engineering.
4. UPTUC Conference - venue and dates
5. Any other item with the permission of the Chair.

With Greetings,

Comradely Yours,

RASREY

(Ram Asrey)
General Secretary.

29. 8.66

****

6

सरकुलर-३।६६

यू०,पी० ट्रेड यूनियन कांग्रेस,
पो स्ट बा क स - २३१
कानपुर

A.I.T.U.C.
Received U382 23/9/66
Replied........ ....

१६-६-१९६६

जनरल कौंसिल के सदस्यों
तथा संबंधित यूनियनों के नाम।

जनरल कौंसिल के फैसले

प्रिय साथी,

यू० पी० ट्रेड यूनियन कांग्रेस की जनरल कौंसिल की मीटिंग १५-१६, सितम्बर, १९६६ को कानपुर में कामरेड संतसिंह यूसुफ की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग मे मेरठ, बुलन्दशहर, अलीगढ़ आगरा, फिरोजाबाद, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, बरेली, पीलीभीत, देहरादून, और मुजफ्फरनगर के सदस्य उपस्थित थे।

सवाल – पहले मीटिंग ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही की पुष्टि की।

इसके बाद प्रधान मंत्री ने अपनी रिपोर्ट मे प्रदेश की मौजूदा श्रम स्थिति, सरकार की मजदूर बिरोधी और पूजीपती पक्षीय नीतियों, मालिकों द्वारा ट्रेड यूनियन कार्यकर्ताओं को निकाले जाने, काम, वाद, तनख्वाह कटौती के मसलों का बिश्लेशण किया। प्रधान मंत्री ने जोर दिया कि इस समय प्रदेश के मजदूर आंदोलन के सामनें, विशेषत: ट्रेड यूनियन कांग्रेस से संबन्धित यूनियनों की जिम्मेदारी है कि तमाम मजदूरों के बिचारों की एकता और संघर्षों के आधार पर मालिकों के हमलों को हटाये और सरकार की नितियों को बदलवाए। रिपोर्ट के अनुसार असंगठित छोटे उद्योगों में निम्नतम तनखा को लागू करवाने, संगठित और बड़े उद्योगों में तनखा-बढ़ोती और मंहगाई की शत प्रतिशत पूर्ति के लिए मंहगाई भत्ता बढ़ाने, बरेली, मिर्जापुर, गोरखपुर, हरिद्वार जैसे क्षेत्रों मे बने नए कारखानों में मजदूरों की तनखाहों और काम की हालतों में उपस्थित अराजकता को खतम करानें, इन्जिनियरिंग उद्योगों मे तनखा बोर्ड की सिफारिशों को लागू करवानें, शिक्षकों मध्यम वर्गीय कर्मचारियों के अन्दोलनों के साथ सक्रिय सहयोग करके, तमाम प्रदेश में उठ रहे आंदोलनों को एक सूत्र में बांधनें का काम प्रमुख और प्राथमिक है।

रिपोर्ट पर बहस के दौरान साथी घनश्याम सिनहा, गोपाल कृष्ण श्रीवास्तव, अशोक लोस, हरिशंकर तिवारी, डा० सुल्तान सिंह, निजामुद्दीन, सत्यनरायण तिवारी, महेश वाजपेयी, शिवशर्मा, आनन्दमाधव, रवि सिनहा, साम प्रकाश, कैलाश चन्द, भूदेव शर्मा, मेलाराम, बाबु खां, अनसारी साहब, यूसुफ आदि नें रिपोर्ट की आलोचना की और उसे सुधारनें के लिए अपने सुझाव दिए।

बहस के दौरना यू० पी० ट्रेड यूनियन कांग्रेस के केन्द्र की फंक्शनिंग, कानपुर के सूती मिलों के मजदूर आन्दोलन में काम करनें वाले ए०आई०टी०यू०सी० के तत्वों का परस्पर बिरोध। यूनियनों का काम करनें के कारण उठ रही कठिनाइयों, रीजनल आधार पर यूनियानों को सहायता न दे पाने के कारण आ रही मुश्किलों, आई०एन०टी०यू०सी० की यूनियनों के अन्दर मालिक पक्षीय तत्वों के कारण पड रही फूट, जनसंघ द्वारा मजदूर आंदोलन में घुसनें के प्रयास ए०आई०टी०यू०सी० केन्द्र द्वारा यू०पी०टी०यू०सी० केन्द्र के प्रति अपनाए गए असहायता पूर्ण रवैये आदि की चर्चा हुई।

------------२

बहस का सीकरण करते हुए प्रधान मंत्री ने निम्नलिखित सुझाव दिये जो सर्व सम्मति से स्वीकृत हुए :

१- कानपुर के सूती मिलों के मजदूर आंदोलन मे उठ रहे प्रश्नों पर आंदोलन को संबद्ध करने और आल इन्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस में काम करने वाले सभी विचारों के लोगों को एक संगठन में लाने के प्रयास के लिए साथी यूसुफ, रवि सिनहा, घनश्याम सिनहा, विजयबहादुर, हर[illegible] तिवारी और रामआसरे की समिति निर्मित की जाय ।

२- चीनी उद्योग के तनखा- बोर्ड के सामने जबाब देने के लिए और चीनी उद्योग में काम करने वाली अपनी यूनियनों के अतिरिक्त अन्य जनवादी यूनियनों के साथ मिल कर संयुक्त आंदोलन और संगठन की रूपरेखा बनाने के लिए साथी हरसहाय सिंह, बचनसिंह, केदारनाथ, अंबिका बाज- -पेयी,और रामआसरे की समिति निर्मित की जाय ।

३- वाराणसी और अन्य जगहों पर उठ रही परस्पर विरोधी यूनियनों की समस्याओं के निराकरण के,वर्किंगकमेटी के स्थानीय सदस्य ।सदस्योंऔर प्रधान मंत्री की कमेटी बनाई जाय ।

४- मेरठ बरेली और गोरखपुर में यू०पी०टी०यू०सी० से संबन्धित यूनियनों की मीटिंग बुलाई जाए जहां इन क्षेत्रों में रीजनल केन्द्र बनाए जाने या वहां की यूनियनों को कानूनी और आंदोलन संबन्धी सहायता के उपाय निर्धारित किए जाए ।

५- यू० पी० ट्रेड यूनियन कांग्रेस के केन्द्र को और सुचारू रूप से चलाने के लिए कानपुर में रहने वाले पदाधिकारियों और का० हरीश तिवारी पन्द्रह दिनों में मीटिंग किया करें तथा बीच में उठने वाली समस्याओं पर सामूहिक रूप से विचार और निर्णय किया करें ।

६- इंजिनियरिंग फेडरेशन को फिर से सक्रिय करने के लिए का० निजमुद्दीन से प्रार्थना की जाय जिससे अंतिरिम सहायता की वेज-बोर्ड-सिफारिश को लागू करवाया जा सके ।

७- हिन्द मजदूर पंचायत तथा अन्य प्रादेशिक संगठनों से बात करके नवम्बर में राष्ट्रीय संग्राम समिति का सम्मेलन आयोजित किया जाय, जिसके लिए साथी इंदुलाल याज्ञिक, जार्ज फर्नांडिस, एस० ए० डांगे, पी० राममूर्ती एस०एस०मिरजकर, मिदिव चौधरी को आमंत्रित किया जाय ।

इसके बाद प्रधान मंत्री ने सभी साथियों को याद दिलाया कि यू०पी०टी०यू०सी० जनरल कौंसिल का निर्णय है कि प्रत्येक संबद्ध यूनियन प्रति सदस्य दस पैसे के हिसाब से विशेष लेवी दे । कौंसिल ने सर्व सम्मति से निर्णय किया कि यूनियन ने फौरन ही यह लेवी अदा करें और यू०पी० ट्रेड यूनियन कांग्रेस , पोस्त बाक्स २३०, कानपुर के पते पर मनीआर्डर भेजे जाय ।

यूनियन को आवश्यक कानूनी सहायता के बारे में भी फैसला किया गया कि केन्द्र से जाने वाले साथियों को पुराने फैसले के मुताबिक टी० ए० आदि दिया जाय । संगठन के काम के लिए जाने वाले साथियों को भी यूनियनें टी० ए० दिया करें ।

कौंसिल ने सर्व सम्मति से निर्णय किया कि टी०यू०सी० का अगस्त सम्मेलन अप्रैल १९६७ में किया जाय । निश्चित तिथियों और स्थान का निर्णय सैक्रेटियट पर छोड़ दिया गया

कौंसिल ने तमाम संबद्ध यूनियनों को आदेश दिया कि वे अपने सालाना हिसाब किताब की एक प्रति और मौजूदा कार्यकारणी तथा पदाधिकारियों की लिस्ट फौरन कानपुर कार्यालय को प्रेषित कर दें ।

कौंसिल में वर्किंग कमेटी और जनरल कौंसिल के उन सदस्यों के इस्तीफे स्वीकृत किये जो निष्क्रिय हो गये है और सेक्रेटेरियट को अधिकार दिया कि रिक्त स्थानों की पूर्ति

इस प्रकार से कर लें जिससे कार्यकारणी और जनरल कौंसिल में काम करनें वाले विभिन्न मतों का अनुपात न बदले ।

साभिवादन के साथ

आप का साथी-

U. P. Trade Union Congress.

प्रधान मंत्री

138.

New Delhi
26.9.66

Dear Comrade Asrey,

I am held up here and expect to leave on Wednesday.

I saw yourr circular No.3/66 dated 19.9.66 regarding the decisions taken in our General Council meeting on 15th and 16th at Kanpur. There are some discrepancies which shouldn be corrected.

Decision No.2: I proposed the name of Com. Laxmi Narain Pande for inclusion in the Sugar Committee and the same was accepted.

Decision No.3: No committee was formed. It was agreed that there may be some minor issues and they would be looked into jointly.

Decision No.5: It was also decided that UPTUC will function from its registered office at 12/1 Gwaltoli.

Then at the end of page 2 it has been reported that the Council accepted the resignation of inactive members of the Council and the Working Committee. There were no resignations and the question of accepting them did not arise. Regarding replacement of those who have left for good Com. K.G. Srivastava pointed out that this was not an immediate problem as the committees were not likely to meet soon and there is hardly any time to go into it. So this was also referred to the Secretariat for consultation.

With greetings,

Yours fraternally,

(Harish Tiwary)

Copy to: S.S. Yusuf, M.L.A.
President, UPTUC.

Com. Ram Asrey,
General Secretary,
U.P.T.U.C.,
12/1, Gwaltoli,
Kanpur.

Scotia.

New Delhi
26. 9. 66

Dear Com. Arora,

I am held up here and expect to leave on Wednesday.

I saw your circular No. 3/66 dated 19.9.66 regarding the decisions taken in our ~~the~~ General Council meeting on 15th. and 16th. at Kanpur. There are some discrepancies ~~and~~ which should be corrected.

Decision No. 2. I ~~[illegible]~~ proposed the name of Com. Laxmi Narain Pande for inclusion in the sugar committee and the same was accepted. ~~It has been~~

Decision No. 3. ~~So far as~~ No committee was formed. It was agreed that there may be some minor issues and they would be looked into jointly.

Decision No. 5. It was also decided that U.P.T.U.C. will function from its registered office at 12/1 Gwaltoli.

Then at the end of page 2 it has been reported that the council accepted the resignations of inactive members of the Council and the Working Committee.

There were no resignations and the question of accepting them did not arise. ~~com. K.G.~~ Regarding replacement of the comrades who have left for good com. K.G. Srivastava pointed out that this was not an immediate problem as the committee were not likely to meet soon ~~So this was also referred to the secretariat for consultation~~ and there is hardly any time to go into it. So this was also referred to the secretariat for consultation.

With greetings!

Yours

Harish Tewari

copy to
S. S. Yusuf M.L.A.
President, UPTUC.

Com. Ram Asrey
General Secretary
U.P. Trade Union Congress
12/1 Gwaltoli
P.B. 231
KANPUR.

52

138

(8) Nirvan Asram, Sri Ram Nagar
Jwalapur 26.9.66.

Dear Com Mukerjee,

A.I.T.U.C.
Received 4535 29/9/66
Replied

I am issuing a leaflet demanding interim relief as decided by the Wage Board and other demands and ~~a~~ planning to organise a mass meeting. I shall send the leaflet and the report next week. Kindly confirm by the return post that the decision of the wage board also covers daily rated and work charge employees. There is nothing in the Govt Resolution debarring these employees. But I want to be sure of it. They constitute the main bulk.

Com Banarsi Das, the poor. Organiser of Jan Seva Das was here on 24th. A decision for ~~rega~~ reorganisation of the local party has been taken and for renewal of Membership Cards.

Ramesh Misra's brother has been admitted in the Indian Medical Institute on 23rd. I recieved his letter today. I hope he has met you by now. He is a very good comrade. He deserves all help and guidance.

The purpose for writing this letter is my above querry. Do confirm my belief immediately by consulting a comrade who attended the wage board meeting. Rest in my next letter.

Yours Comradely

K C Nagar

File

एच. इ. एल. वर्कर्स एसोसियेशन का आव्हान

बी. एच. इ. एल. के प्रबन्धकों के

फूट व दमन के हथकन्डों का

मिल कर मुकाबला करो

मजदूर साथियों !

स्वार्थ व भ्रष्टाचार में नाक तक डूबे बी० एच० इ० एल के प्रबन्धक अधिकारी समय रहते योजना बनाकर कच्चा सामान व सेंकशन मंगवानें में असफल है और कर्मचारियों को अनावश्यक बता कर छंटनी करके फजूल खर्ची से बचने का स्वांग रचते हैं । वे कर्मचारियों की हर उचित मांग का विरोध कर रहे है । एच० इ० एल० वर्कर्स एसोसियेशन की ओर से १४ मांगों के लिये संघर्ष के तरीकों व साधनों पर विचार करने के लिये दिनाङ्क ३ अक्टूबर १९६६ को होने वाली मीटिंग पर रोक लगाने में परसन मैनेजर श्री निगम ने कमाल की जो तत्परता दिखाई वह उनकी घबराहट का ही नमूना है जब कि अन्य यूनियनों व खास कर आइ. एन. टी. यू. सी की दोनो अधिकृत व अनाधिकृत यूनियनो को मीटिंग करने की पूर्ण स्वतन्त्रता है। प्रबंधक फूट डालो व दमन करो के नीच हथकन्डों द्वारा ही कर्मचारियों के आन्दोलन का मुकाबला कर रहे है। अब समय आगया हैं कि कर्मचारी यूनियनों की सीमाओं को लांघकर अपनी विशाल व इस्पाती एकता पैदा कर के अपनी मांगों को अपनी शक्ति के बल पर प्राप्त करें ।एच. इ. एल. वर्कर्स एसोसियेशन एसे उनके हर प्रयास में पूर्ण सहायता देने में कृत संकल्प है। हम अपनी सभी बिरादर यूनियनों से अपील करते हैं कि एक मिली जुली आन्दोलन कमेटी बनाकर कर्मचारियों की उचित मांगों के न्यायपूर्ण शान्तिमय संघर्ष को मार्ग दिखायें व सफलता की गारंटी दे ।

न्याय + शक्ति = विजय

एकता विजय का मंत्र है

कृष्णचन्द्र नागर

प्रधान मंत्री

एच० इ० एल० वर्कर्स एसोसियशन

निर्वाण आश्रम, श्री राम नगर ज्वालापुर

आफिस खुलने का समय

शाम को ५ बजे से ७ बजे तक

पढ़िये व दुसरे को दे दीजिये । एकपर्चे को १० कर्मचारी पढ़ें ।

H.E.L. WORKERS ASSOCIATION APPEALS

GIVE UNITED OPPOSITION

TO THE TACTICS OF

DEVIDE & SUPPRESS

The unworthy, corrupt and incompetant management of B. H. E. L Hardwar is only interested in its own loaves and fishes. It has neither the national interest at heart nor the interest of the undertaking It has failed to arrange for materials and work for the workers and resorts to measures of retrenchment. It is denying all the just demands of the workers. The Personal Manager Sri Nigam betrayed extraordinary panic in immediately banning the meeting of H. E. L. workers Assocciation on 3 rd October. 1966 going to be held to consider the ways and means of struggle for the 14 demands of the employees, while other unions and specially both the groups (authorised and unauthorised) of I. N. T U. C. are given full freedom to hold all sorts of meetings. The management is playing the tactics of disruption and Suppression to meet the challenge of the workers. It is now high time that the workers forge a united front surpassing barriars of various unions and snatch demands from the unwilling hands of the management, H. E. L. workers Association pledges all support to such efforts of the workers, We appeal to all the sister unions to form a joint Actions Committee to give a united lead in the struggles of the workers.

United we win, devided we lose

K. C. Nagar
GENERAL SECRETARY
H. E,L, Workers, Association
Nirvan Arsam, Sri Rmnagar Jwalapur

Office hours
5 P,M, to 7P.M.

Read and pass on to others One leaflet for 10 Workers

क्वालिटि प्रिंटिंग प्रेस कनखल

एच० इ० एल० वर्कर्स एसोसियेशन की अपील

इन्कलाब जिन्दाबाद दुनिया के मजदूरों एक हो

हमारी कम से कम मांगें

जो पुरी होनी चाहिये थीं लेकिन नहीं हुई

प्यारे भाइयों!

भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स के अधिकारी जो मजदूरों व यूनियनों की ओर से दिये गये मांग पत्रों और प्रार्थना पत्रों को रद्दी की टोकरी में फेंक कर कानों में तेल डाल कर सो रहे थे अब दौड़-दौड़ कर आते है मजदूरों को डराते व धमकाते है कि तुम्हारा आन्दोलन गैर कानूनी और अनुचित है। जब इससे काम नही चलता तो भरमाते है और फुसलाते है कि आन्दोलन वापस लेलो हम आपकी मांगे स्वयं पूरी कर देगें। लेकिन जो वे देने जा रहे है वह बिलकुल ना काफी है। साथ ही उस में मजदूरों में फूट डालने का षडयन्त्र है।

एक हाथ से दिया दूसरे हाथ से छीन लिया

उन्होंने दि०११-१६-६६ को नोटिस लगाकर कर्मचारियों को केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के महगाई भत्ते में जो नई बढोत्री हुई है उसे प्रोजेक्ट के कर्मचारियों को दिनाङ्क १-११-६६ से देने का एलान किया है परन्तु उसमें भी शर्त लगा दी कि जिनकी सरविस सालभर की पूरी नहीं हुई है उन्हें यह नही दिया जायेगा। साल भर की सर्विस का प्रतिबन्ध एक जाल है क्यों कि अधिकारी मनमाने व गैर कानूनी ढंग से कर्मचारियों की सरविस भंग दिखा कर उन्हें अधिकार से वंचित कर देगे। दूसरा प्रतिबन्ध यह कि जिनको पिछले एक साल में यदि कोई तरक्की मिल चुकी है उन्हें यह बढोत्री नहीं दी जायेगी। इस तरह ज्यादातर डेली रेट व वर्कचार्ज के कर्मचारियों को कुछ भी नहीं मिलेगा। जो अधिकारी देने का एलान कर रहे है वह परमानेन्ट (रेगुलर) कर्मचारियों को जो अब तक मंहगाई भत्ता मिलता था उस में नई बढोत्री के रेट है। लेकिन वर्कचार्ज व डेली रेट के कर्मचारियों को अभी तक कोई महंगाई भत्ता नहीं दिया गया है। इस हालत में उनके लिये तो यह बढोत्री बहुत ही कम है और वह भी नही दी जा रही है। बाकी सारी मांगों के बारे में कोरे वायदे है।

एसी हालत में कर्मचारियों को अपनी कम से कम मांगें तैकरना है। मांगें एसी हों जिनके आधार पर सभी कर्मचारियों को एक किया जा सके और जिनके पूरा किये बगैर हमारी गाड़ी बिलकुल नही चल सकती है।

वे मांगें ये है—

१—जब से प्रोजेक्ट चालू हुआ है तब से अब तक जिन कर्मचारियों से हफ्ते में ४८ घन्टे से अतिरिक्त काम लिया है उनको अतिरिक्त काम का दूने रेट पर ओवर टाइम एलाउन्स दिया जाय।

२—जिन कर्मचारियों को साप्ताहिक (इतवार) अवकाश देने के साथ साथ महीने भर में मिलने वाले उनके वेतन में कटौती करली है वह कटौती की रकम कर्मचारियों को दी जाय। P. T. O.

३—भविष्य में साप्ताहिक अवकाश वेतन सहित दिया जाय। सप्ताह में ४८ घन्टे के बाद अतिरिक्त काम का दूना (ओवर टाइम) रेट पर वेतन दिया जाय

४—स्टेडिंग आडर्स को लागू करते हुये १३ मई १९६६ के आफिस आर्डर को रद्द कर छुट्टियों का अधिकार २१ जनवरी १९६२ से माना जाय। सिक्ली सवेतन, कैजुअल, मेडीकल और त्योहारों की छुट्टियों का वेतन दिया जाय।

५—सभी डेली रेटेड व वर्कचार्ज कर्मचारियों को महगाई भत्ता दिया जाय और वह तभी से दिया जाय जब से केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को दिया जायेगा। उसमें से साल भर की सरविस पूरा न होने अथवा पहले मिल चुकी तरक्की के नाम पर लगाई गई शर्त हटाई जाय।

६—अकुशल (अनस्किल्ड) कर्मचारी ने अगर ३ महीने तथा कुशल (स्किल्ड) कर्मचारी ने अगर ६ महीने काम कर लिया है तो उसे स्थाई (परमानेन्ट या रेगूलर) कर्मचारी माना जाय।

६ हाइट एलाउन्स व रिस्क एलाउन्स दिया जाय।

८—मनमानी, गैरकानूनी छटनी बन्द कर दी जाय।

९—निकाले हुये कर्मचारियों को काम पर वापस लिया जाय।

१०—बैच नं० २ के ट्रेनिग समाप्त करके निकले कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र (एपोइन्ट मेन्टलैटर) और पूरा वेतन मय एरियर के शीघ्र दिया जाय।

११—क्लरीकल व आफिस कर्मचारियों की काम के घन्टे न बढ़ाने की मांग स्वीकार की जाय।

१२—बाहर से भर्ती रोक दी जाय और अन्दर काम कर रहे कर्मचारियों को ही तरक्की देकर रिक्त स्थानों की पूर्ती की जाय।

जब तक ये कम से कम मांगे पूरी नही होती हैं हमारा आन्दोलन जारी रहेगा। आन्दोलन चलाने के लिये हर विभाग के कर्मचारियों को एकता करने की आवश्यकता है चाहे वे किसी भी यूनियन के सदस्य हो अथवा किसी यूनियन के सदस्य न भी हो। एक आन्दोलन कमेटी बनाने की आवश्यकता है जिसमें यूनियन के नेता हो जो मजदूरों के इस संघर्ष में मदद देना चाहते है। जीत के लिये एक समझ, एक दिमांग, एक साथ कदम आवश्यक है। एच० इ० एल वर्कर्स एसोसियेशन यही प्राप्त करना चाहती है और इसमें आपकी मदद करना चाहती और आपकी मदद मांगती है। वह सभी यूनियनों के नेताओं से अपील करती है कि आओ हम मिल कर मजदूर आन्दोलन को चलायें व सफलता की गारन्टी करे।

एकता विजय का मन्त्र है न्याय + शक्ति = विजय

मजदूरों!

अपनी अटूट इस्पाती एकता बनाओ। संयुक्त आन्दोलन कमेटी बनाओ। विजय आपकी होगी।

नोट:—पर्चा पढ़ कर दूसरे को देदें। एक पर्चा दस व्यक्यिो के लिये है।

कृष्ण चन्द्र नागर
प्रधान मन्त्री
एच० इ० एल० वर्कर्स एसोसियेशन
निर्माण आश्रम, श्रीरामनगर, ज्वालापुर।

दफ्तर खुलने का समय
शाम के ५ से ७ बजे तक

इन्कलाब जिन्दाबाद

एच० इ० एल० वर्कर्स एसोसियेशन की अपील

अपनी मांगों के लिये

संघर्ष की तय्यारी करो

३ अक्टूबर १९६६ सोमवार को शाम को ५ बजे

ट्रेनिंग स्कूल के सामने

आम सभा

मजदूर साथियों, !

मंहगाई, मुनाफाखोरी, चोर बाज़ारी, रिश्वतखोरी, अफसर शाही मनमानी, पक्षपात, भ्रष्टाचार, छंटनी, मुअत्तिलि और बरख्वास्तगी ने हमारा जीवन संकट में डाल दिया है। हैवी के प्रबन्धकों की निगाह में अपनी स्वार्थ सिद्धि के सामने न्याय, कानून और देशहित नाम की कोई चीज़ नहीं है। हालत बर्दाश्त से बाहर हो गई है। हमारा सब्र और इन्तजार का प्याला लबालब भर गया है। अब अन्याय का एक होकर मुकाबला करने के अलावा कोई रास्ता नहीं रहा है। इस हालत में क्या किया जाय और कैसे किया जय इस बात पर विचार करने के लिये दिनाङ्क ३ अक्टूबर १९६६ सोमवार को शाम को ५॥ बजे ट्रेनिंग स्कूल के सामने डाक्खाने के पास एक आम सभा होगी। सभी भाइयों से प्रार्थना है सभा में शरीक होकर इस अन्याय का मुकाबला करने के बारे में फैसला लीजिये।

१— २३ जौलाई १९६६ के केन्द्रीय सरकार के फैसले के मुताबिक महीने में कुल मिलाकर १०६ रु० महावार से कम पाने वाले को १२ रु० ५० न० पै० से, १५१ रु० महावार से कम पाने वाले को ७ रु० ५० न० पै० २५१ रू० महावार से कम पाने वाले को ६ रू० और ५०१ रू० महावार से कम पाने वाले को ५ रु० महावार के हिसाब से दिनाङ्क १-४-६६ से अंतरिम सहायता सभी कर्मचारियों को दी जाय।

२— सभी क्लर्कों से ६ घन्टे प्रति दिन काम लेने की मांग स्वीकार की जाये।

३— ट्रेनिंग पूरा करके निकले ३नं. बैच के कर्मचारियों को फौरन क्वार्टर दिये जाय। उनकी तनखा के एरियर जल्द से जल्द दिये जाय।

४— प्रोबेशन (उम्दावारी) काल बीत जाने पर भी जिनके कन्फरमेशन लेटर्स अनुचित रुप से रोक रखे है वे फौरन दिये जांये।

५— स्टेडिंग आर्डर्स के मुताबिक डेली रेटेड, वर्क चार्ज, टेम्पोरी और परमानेन्ट कर्मचारियों को छुट्टियाँ देने में धांधली व लापरवाही खतम की जाय। स्टेडिंग आर्डर्स २१ जनवरी १६६२ से लागू है। तब से ही अब तक की अर्जित छुट्टियां (Earned leave) आकस्मिक छुट्टियां Casual leave) त्योहारों की छुट्टियां (Festival holi days) और (Medical leave) बीमारी की छुट्टियां कर्मचारी पाने के हकदार है। इन छुटि्टयो के दिनों में जिन कर्मचारियों ने काम किया है या उन्हें बिना वेतन छुट्टियां दी है उनको उन दिनों का वेतन दिया जाय। जिनको निकाल दिया गया है या जो स्तीफा दे गये है उनकी छुट्टियों की रकम उनके घर के पतों पर मनीआर्डर से भेजी जाय।

६— कर्मचारियों की अनुचित, अवैधानिक, अन्याय पूर्ण और मनमाने ढंग से की गई छंटनी, मुअत्तिली और बरखास्तगी रद्द की जाय। उनको काम पर वापस लिया जाय।

७— ट्रेनिंग स्कूल व होस्टल के अन्दर जेल जाने जैसी पाबन्दियां खतम की जांय।

८— फेक्ट्री में आये दिन हो रही (एक्सीडेन्टों) दुर्घटनाओं को दूर किया जाय। दुर्घटनाओं के शिकार कर्मचारियों को दौरान इलाज तनखा दी जाय। बलिदान होने वाले या अंग भंग कर्मचारियों का स्मारक बनाया जाय।

६— अस्पताल के प्रबन्ध में धांधली व मरीजों की उपेक्षा बन्द की जाय। समुचित इलाज का प्रबन्ध किया जाय। अस्पताल में भर्ती (indoor patiennts) मरीजों के लिये भोजन का प्रबन्ध किया जाय स्त्रियों के लिये मैरनिटी वार्ड का प्रबन्ध किया जाय।

१०— जिन कर्मचारियों ने तीन महीने से अधिक कार्य कर लिया है उन्हें स्थाई कर्मचारी माना जाय और स्थाई कर्मचारियों को मिलने वाली सभी सुविधायें दी जाय। उन्हें सवेतन इतवार की छुट्टियां दी जाय।

११— जब तक (Required techincal Skill qualifications) आवश्यक टेकनिकल ज्ञान व योग्यता के कर्मचारी फेक्ट्री में मौजूद है उन स्थानों के लिये बाहर से भर्ती न की जाय और अन्दर काम करने वाले कर्मचारियों में से ही उन स्थानों की पूर्ती की जाय।

१२— रिक्त स्थानों की पूर्ती में सिलेक्शन बोर्ड या कमेटी के सामने बैठे कर्मचारियों के बारे में फैसला किये बैगर उन्हीं स्थानों के लिये नये व दुबारा एडवर्टाइज मेन्ट करने की पक्षपात पूर्ण अन्याय पर आधारित धांधली दूर की जाय तथा ऐसे कर्मचारियों के साथ न्याय किया जाय।

१३— जिन कर्मचारियों का ग्रेड I के लिये चुनाव किया गया उनको ग्रेड II तथा जिनको ग्रेड II के लिये चुनाव किया उनको ग्रेड III देकर जो उनके साथ अन्याय किया गया है वह ठीक कर उनको वही ग्रेड दिया जाय जिनके चुनाव में वे बैठे थे।

१४—सिक्योरिटी, सफाई, होर्टीकल्चार, अस्पताल, बिजली विभाग आदि के कर्मचारियों को समय के अन्दर वर्दिया दी जायें।

ऊपर लिखी मांगें ऐसी है जिनको हर यूनियन और हर मजदूर पूरी करना चाहता है। ये मांगे ऐसी है जो फौरन पूरी होनी चाहिये। ये पूरी भी हो सकती है बशर्ते हम एक होकर कदम उठायें। स्वर्ग अपने मरने से ही मिलता है। मीटिंग में आकर फैसला कीजिये कि हम अपनी किस्मत की बागडोर खुद अपने हाथ में लेगें। एकता विजय का मन्त्र है।

न्याय + शक्ति = विजय

कृष्णचन्द्र नागर
प्रधान मन्त्री
एच० इ० एल० वर्कर्स एसोसियेशन
निर्वाण आश्रम, श्री राम नगर रेलवे स्टेशन, ज्वालापुर

दफ्तर खुलने का समय—
शाम को ५ बजे से ७ बजे तक

क्वालिटि प्रिंटिंग प्रेस, कनखल।

138

Nirvan Asram, Sri Ramnagar,
Jwalapur SV
15.11.66.

Dear Com,

Recieved your letter d/ 5.11.66
I could not reply earlier as workers were on strike and I was too busy in it along with I.S.C.U.S. function on 7th Nov. 66. The agitation is going on. I.N.T.U.C. is defunct because of its internal quarells. H.M.S. is stage leader. Still ~~most~~ workers are being disillusioned of its role of a broker between worker and the managements. Our contacts are increasing. I have not recieved any intimation from Com Kali Shanker about his coming so far. Remind him when he is there.

Yours Comradely

K.C. Hazap

File

RM

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
भारत

Com Ramesh Mukerjee
All India Trade Union Congress
5, Rani Jhansi Road
NEW DELHI

52

Prepatory Election Committee
Distt.Trade Unions, 14 New Cantt Road
Dehradun. Phone 289

138

A.I.T.U.C.
Received 5/12
Replied 10/12/66

Dear Sir/Madam,

This is to submit that a meeting of the progressives, prominent citizens, trade union representatives representatives of political parties opposed to Congress have been called at the Distt.Trade Union Office on Sunday the 11th Dec'66 at 5-30PM.to discuss about the ensuing General Election.

You are cordially invited to attend the meeting and to take part in the deliberations.

A copy of the resolutions passed in the meeting of the Trade Union representatives held on 4th Dec'66 is enclosed herewith.

Thanking you.

Yours Sincerely,
7.XII
(D.R.S.Negi)
Jt. Convenor

Dt. 7 Dec'66

Resolutions passed in the representatives of Trade Unions of the Distt held on 4th Dec'66 at 14 New Cantt Roadm Dehradun.

" This meeting of the representatvies of various trade unions of the Distt views with disappointment that Political parties democrats and Progressive individuals of the town have not been able to form an united fromt against the Congress to fight the General Election to be held in the month of February 1967.

This meeting feels strongly that to defeat the Congress at the polls it is essential that opp.political parties/democrats and working people and their organisations come to some unified and common understanding and platform.to de

This meeting therefore while appealing to all the Opp. Political parties, progressives and democrats to come to united front for fighting the election declares Sri S.C.Dutta, a Trade unionist of the Distt, as their nominee to fight the General Election as an Independent from the City Constitutency Dehradun, in case such united front of the parties and democrats does not come into existence.

This meeting therefore elects two representatives each from respextive trade unions to form the Prepatory Election Committee and directs this committee to call meetings of the parties/democrats of the town to find out whether such united front to fight the Congress at the Polls in the Town is possible or not.

S/S S.C.Dutta and D.R.S.Negi of Distt.Trade Unions are elected as Joint Convenors of this committee. Publicity of this resolution be given to the Press also.

President of the day

Sri S. A. Dange.
A.I.T.U.C.
New Delhi

138/

Nirvan Asram
Sri Ram Nagar, Jwalapur
31.12.66.

52

Dear Com. Mukerjee,

I am late in writing this report. Infact I wanted personally to come to Delhi at the time of General Council meeting of AITUC. but could not come as I got the honorarium much after the meeting was over for which I daily visited the P.O. as generally it used to come before 1st of every month. Thereafter leaders of ~~local~~ newly reorganised IFCNS wanted to come to Delhi & I was to accompany them but they too could not decide and find time to come so far & thus neither I could come nor could send the report. Moreover, I abruptly lost my eyesight on 13th Dec, 1966 and had to undergo treatment and was advised complete rest. Now ~~I~~ ~~op~~ my eye sight has been restored to a very large extent but I shall have to purchase glasses.

I am sending the leaflets issued by our union to ~~against~~ aquaint you with the problems & line of action by ~~our~~ Union. Workers resorted to two tool down strikes and won 3 paid sundays &, ~~wage~~ increase in wage rates of daily rated and work charge and temporary employees. H.M.S. Union headed the movement but was also exposed to some extent due to its hesitant out look in struggle and at times anti-working class. It has suffered a loss of prestige. ~~I~~ Still it had organised largest number of meetings in support of workers demands. Our Union also held gate meetings and issued leaflets which gave line to mass of workers, Union activists and other Unions. This fact is being realised by intelligent people in the management and workers.

Files
[illegible]

Our influence and organisation is increasing but organisation lagging behind the rate in ~~increase~~ increase of our influence because still our comrades hesitate to come on the forefront. I have launched cases under Payment of wages act in respect of wrongful deductions in wages or non payment of wages in lieu of paid leave under Standing Orders Act. One case has been concluded and ~~xxx~~ award in our favour is expected. The management attempted to victimize such workers who launched cases but could not succeed as these very workers took counter offencive against the officer's corruption. This has also attracted attention of the workers towards us. As you know after inspection of our Union records the report has been submitted to Registrar of Trade Unions Kanpur but due to strike in Labour Commissioner's Office, the registration has not yet come. I shall go to Kanpur for this as soon as the strike is over. One more Union in Sturdia Chemicals Ltd, Rishikesh, a joint firm with a party of Bombay M/s Wadia & another of England Sturdia, manufacturing Calcium carbonate used ~~for~~ in Cologate tooth ~~Past~~ paste etc., employing about ~~150~~ 125 workers has been organised. I am sending the papers for Affiliation. Trade Union Inspector has also inspected the records of this Union ~~[illegible]~~ & have submitted his report.

I am sorry to state that Sri Kali Shanker Shukla did not come as intimated by you. Com Rajeshwar Rao, Kali Shanker Shukla, & Com. Rajkumar Distt Party secretary (all the three secretaries) had jointly said that they have realised the importance of Haridwar and give all possible attention and aid in reorganisation of party. But to the disappointment of all the comrades no response to the letters is coming from Lucknow & Saharanpur. One P.S.P. candidate is contesting M.P.'s seat against Mahaveer Tyagi and one leader of H.M.S. (formerly a S.S.P. man) is contesting M.L.A.'s seat in this area. They are holding meetings and trying to mobilise anti-congress sentiments. This has also an influence of H.E.L workers. Every month at least two leaders of Parliament or Assembly had been visiting Haridwar for the last 1½ year in support of H.M.S., I.N.T.U.C. wales also bring M.P.'s every now & then. Our workers press for our leaders to come. H.M.S. has organised 5 trade Union Study circles during the last 1½ year. At present best position is held by H.M.S. I am handicapped by financial reasons also though workers are contributing but it is too short of the needs of the Union so far. Send the honorarium as early as possible after deducting Rs 20/- as Aff. Fee of Sturdia Chemical Workers Union. This month wife is not going to get her salary as she came here in desperation and did not

go to Meerut in time as I could not arrange for her journey and money for wheat, sugar & coal. She was marked absent for two days. She applied for leave and reaching. Unless the leave app. is decided ~~she~~ her salary ~~wages~~ ~~are~~ is being with held. I need urgently glasses without which I am almost invalid. In case I.S.C.U.S. leaders make a programme to come to Delhi I may also come and see you.

Yours Comradely

K C Kapur